२ रजभुक्तं ७३ड्ड मसि कलसमभुक्तं भटे मूल [illegible] सर्वेवेरम (रुभुक्तं) रुग्णाति मभयतम:॥
एतद्वेदसे मभाय [illegible] : ५ ७३ड्ड मस कलसम, मडंकेडि: ० मडमैम ९ मडम्भी ३ भयामिभद्ध =
मड्मे १ मडंकडु २ मडंम्भे १ मड्मे ५ [illegible] ७ [illegible] ०० मवतुर : ०० [illegible] ०३ ॥ [illegible] भटे
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] भावविरमि [illegible] मभैये ॥
[illegible] ५ [illegible] ०९ [illegible] ५ ७ [illegible]
[illegible] ० ॥ [illegible]

[illegible]

एवमानन्दमा

भयेमपिष्प्पउँम्मो ङ्कं
उन्लउँलुमभविउभा
भिङ्गुरुत्ये भयत्ते
भ्रान म धकिल्दयेउ॥

ला ए गङ्कवमाकाथं
वान्नुकं मङ्गुथधकँभा
जङ्ग मा गुन कधुरं
भ्रनभउङ्कफल्दयेउ॥

सुकउयाएङमवी भुमंपङ्कु [illegible] मविमी [illegible] मचकमाउलल्पङ्ग०
सुव कङ्गम्यतीलायपुलम्मा [illegible]
सुकउयाएङकुन ३
सुव· मङनोती [illegible]
सुव· [illegible] याबकुमनी [illegible]
[illegible]
सुव· [illegible]
सुव· [illegible]
सुव· [illegible]
सुव· [illegible]
सुव· [illegible]
सुव· [illegible]
भटे सुव उयाएङकुन॥



उउँश्रिकुम पङंउिला [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

4

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वाभकर मडंकसू
मक्षिल्क मडंभिभ
पद्वुं वाभपाझे मडंराष्ठू पञ्चभविपञ्चकरभवन्लेकैकसखिउ
मक्षिल्थ भयंभि नगण्यल्भियसविभ्भीउठवभ
वाभए मडंभव चस ७ुउिपारुभा ॥
मक्षिए मडंमडू
कए मडंभवे
ग्रहू मडंभियय
नौठि उंकूभि
हभि उमभिइ
गीवण्यं मववुनः
वाभव नगसभं
मक्षिल्व वडंभउ
भाप उंकूजझ
नरपः सवैत्रै
सिगभि उभप्रिवल्ठ
सिपाण्यं एउवमस॰ ॥एउवनसधण्डः॥एउसिपाण्य॥

| | | |
|---|---|---|
| वम्भका | मुयान्तं | मन्तमुम् |
| मक्किक | मुमनं | मन्तभमु |
| वम्भप | पाकुं | मन्तगुं |
| मक्किप | मन्तुं | मर्गमे |
| वम्भए | मुमम· | मन्तमव |
| मक्किए | मनुउ | मन्तमनु |
| कहुं | वर्तुं | मन्तभये |
| उहु | यहुं | मन्तमियवा |
| नाठे | गनु: | उकुंभि |
| हमवृ | पुर्ये | उमुमिए |
| कनु | प्रपं | मवनुन: |
| वम्भवा | धीपं | नगमभं |
| मक्किवा | मन: | धकभउ |
| भुपे | उमुभा | गंनुउसे |
| नेइये: | भुमक्कि | मवतै |
| मिगमि | विमल | उम्भमिव· |
| मिपा | एउवेमम· | |

| | | |
|---|---|---|
| उभाभक्कि· | मनुगाम | ० |
| कर्ड़यनीभ· | ममुव | ३ |
| मुनाभक्कि· | भन्तमुगाय | ३ |
| गोगीभक्कि· | भन्तामयाय | ४ |
| हेमवडीभ· | मनुाय | ५ |
| मिवाभक्कि· | मियाय | ६ |
| भन्तूनीभ· | पमुपउय | ७ |
| मुभ्विकाभ· | उनाय | ८ |
| मचालीभ· | मचाय | ९ |
| पावडीभ· | गुगाय | ०· |
| ठवानीभ· | गंमुगाय | ०० |
| गनुलीभ· | गंमानाय | ०३ |

वाभकरं सुदाजनं सर्कन्दु
मक्तिकरं समनं सर्कमभ
वाभपाम पाढुं सर्काम्बु
मक्तिल्पथ सत्तुं भयंभि
वाभए सु मभ सुकमेव
मक्तिए भत्तुपु सर्कन्दु
कर्दु वर्भु सर्कभुव
भुक्र यत्तुथ सकभिवदा
नाक्र पत्तुः डकृभि
कमय पर्धु डभुमिष्ट
कर्दु मुर्थं मचतुनः
वाभवा मीथं नरासभं
मक्तिरा मकः चाकम्द्र
भाष्पि जुसभा दुर्कुजुस
नेडयः भुमभि मेयेनं
सिरेभि विभत्ल डभप्रिव
सिाया ल्लडवेम।

उभामक्रि मकूराय ०
काट्यायनीम संभुव ३
सुनाभ· भक्षमुराय ३
गौरीभ· भकामदाय ≠
कैभवडीभ· कसूाय ५
सियाभ· सियाय ६
भाकुन्नीभ· पमुपडय ७
सुक्षिकाभ· डसूय ३
सचाल्लीभ· सचाय ९
पञ्चडीभ· कगाय ०·
हवान्नीभ· रंख्वराय ००
कहुल्लीभ· रंमान्नाय ०३

नरुभन्तुलं मत्रो ज्ञमसकलसभन्तुलं भत्रु रुनाधुठिभ उम्यत्रो वेमसउयी
भूयानानि मुप्रयेनभः १ एउवेमभ मुभन्येनभः ३ उँउज्ञमसकलसेषु॥
मुकंकसूठिः ० मुकंमभ ३ मुकंराभू ३ भयाभमेत्र ४ मुकम ५ मुकंक
रु ६ मुकंमव ७ मुकम ३ उन्नुमि ३ ७ ३ मुमिन्न ०० मुवनुनः ००
नमः संमं ०३ भत्रु धकंभाउ ज्ञनुंउमें मवेत्रे॥ वेमसउमूयीभू
पानं येकेडु ज्ञनुथवउँउामि भनुत्रं॥ भविउामि नल्लधउय
मुप्रय १ मुभन्ये ३ उभन्माकि· मकूराय ०३ कहूनयभानमराय ४।
धिरो ४ उनुमि कं व भउाभपुथकं॥ उउयलभानभनीय, मुना

नञ्जनउ्रेमी रु॥

ठे मुकंकसूठिः ज्ञाभः एउमिपाना मुथभधं भूराउयाभः॥
डीकंभयभिउामि नल्लधउय मुप्रय १ मुभन्ये ३ उभान· मकूराय ०३
धाधिरो ज्ञनुमि कं व प्रथमीपः॥ मुपभत्रु धिकूउदलं भसुन मं
वः भाए मुम्रिनिः॥ मेवमूत्रान्म॥ उँक्रः पुकधमिउामि मठनाये ३
मक्रु· नल्लधउ· मुप्रः १ मुभन्याः ३ उमान· मकूरभू ०३ कहूनू ३
न्नुमीनं कं व मुद्दने मृमूभी उँउँउाधननि· रुनाप्र· कल· ज्ञमसक· मउ·
कईमुव· मुत्रं॥

ॐ श्रीकृष्ण परंशिला सश्रीपतिमधुकृ ७ भूवि: ०१ सश्रीप्राए सुप्रयेसभनभजा उकुरउ:
मा विशालि गलधउय समान्येउ उभाम· सकुराय ०३ इन्द्रु भिकृ: लाङ्गनि लवंभू
सुलुठगान्तं भुमेसभिकुस: मगीमि भउ: कृष्णपद· शिवुङ्क सुनम्मयउ: भमि
कुभुयि· लउवयस ०·उ सुन्नं निधभीम वधवुङ्वज भूपान्नं लउवुमस स
भान्ये उ उउ: सकृकलूठि: उउ इन्द्रु पचउलामि लन्कुपं ॥ लवभत्रकेम:॥
सुलुकेमञ्ज उपालं ॐविष्णुपङ्कक उपालं उउ: कुष्मालं ॥ ॐयवत्रिलकेम:
गायत्रीसूक्रलं उपालं सप्रलयं निधुभीमगलधउ वधवु विष्णु: उपालं सकु
गलधलित्रं भूपान्नं लउवमसं समान्ये उ उउ: भूप्यश्रितुसानकं उपालं उउ
सक्लमध्रुभतं उउ: सुनूभतं कृष्ण उपालं उउ: पक्षायउनकेम: इन्द्रु पचउ
लामि उपालं कनूपङ्कक उपालं मवीभतं उपालं उउ: पउतिश्रामि नैवकु
उउ: प्रलठान्तं सपानभप्रिभानीय वस्त्रमवं सप्रये श्रिभूकउङ्वजा ॐगोमि
नं ॐसूक्रलाभ्रंलनभा तिकु: धनधं ७ सठाग्येवि· ७ सकृउा सुभान्या: उ
~~उभान्म· ०४ सृकुने सप्तभीत्रिउन्मायन: मम्रेलविधुस्त, सत्र:, समान्या: उ~~
उभान्मकिउ सकुरस्तु ०४ सुकुने सप्तभीवुउ· लूक्रलाभ्रणान भवं गलुभध्य
सि मामि ~~लक्ष्मयसयविन मोउसैरतलि: भतिभाक्लिरं कललसान्तूति~~
~~धलमयउ ०४ भूतिभायान्नं लूक्रलं नमो उपालं~~। यसमरात्रि लउमयउ: प्रलठा

मा३सवलिः धडिभाङ्किरूं ङुःभरूथं ३ मठणाव्वे ३ मुद्रुग
मभाया: ऽ उभाम्भ· ०ऽ मुद्दने शडुभीवु·दनाम्र हृस्मस
कलमड· कृक्किरूं॥ मुर्पञेभ्धि मश्चप्ह्म मञ्जनाकूप·
दनेभ्धुग। शंगिमट्ठुरूपा·। मट्ठिरिमुल; नभामियाभ्भ·।
भञ्जदीनेठयादीनं यमङ्ठञ्जिठ·। कभ्म्मनभावामभ
भिंदभुमसिम· भड्रेनिभरूभु· सवीपाहीमिठे· सभश्चमि
वमपोमि· पभ्मारुविन्नं भाङ्म भघकेल· ॥ ऽऽ: कुल
मेषु॥ भालसीड्डेभराभनभ·· ०ऽ भञ्जदीनं ञुक्राने
नेभधुम्नल ऽऽ:एालञ्जभ्ठमानभा॥ ऽऽ: कुलमाभूठि
पामयेज॥ भावि‌र्रालि मुद्रु; अङ्कने मधुभीठ्रुउद्रु· उभाम्भ·
मक्कुगाय ऽअंकलम भक्ति‌र्रुं भवाम्भअंमसाेवि ३ लवं ०ऽ
ऽऽ:भटिभ उेक्रुलाक्रुमुउड्डुलभा॥ येमठि मुमु
भुहुपनाक्षुविट्ठ्धिभाम्यारुञुउभमा· ऽट्ठाभि नेभमेवहः॥
णडामेवउ:अ·॥ प्रन्ठा राषुधं विभठ्ठ३ वमयभिक्रुडु

१हमजल्लं ॐक्षमस कल्लसुभजलं भट्ट हनाधृतिभा मक्षवमसड्डभुयी भूपानानि ॥
सप्रयनमः १ एवमम भभायनमः ३ ॐ क्षमसकल्लसभ मंहहुतिः० मंहभभ९ मंहाभुी १
भयाम = महभ४ महहु १ महभव१ महभ३ ङ्ग्भिइ ७३५ मिहा०० मवतुनः०० नागंमभ ०१
भड्डु यहभाउ ङ्ग्जोड्ड मेवेत्री॥ वेमभड्डुयी भूपानं ॥ ङ्गुपचेहाभि ङ्गुपृ भाविशलि
नल्पउय मप्रय १ मभायेउ उभामभिहायमङ्करय ०१ हभ्रयभानमराप्य धाविहु = ङ्गु
भि हु व भहाभष्पकं ॥ ॐयलाभानभानीय मनाडो महहतिः एडमिपाप्या मधमद॥
भूतयामः श्रीभ्रयं ङ्गाभि नल्पउय मप्रय १ मभाये३ उभामभिहाय मङ्करय ०१ प।
भिड्डे ङ्गुभि॰हु व प्रधमीपः॥ मधमहेन भिद्दडल्ल भहेन भंवःभाए चङ्किनः मवभ
मुभ ङ्गुः भहभभिहाभि भठणायेष ३ महणल्पउः मप्रः १ मभायाः ३ उभाम॰
मङ्करम ०१ हहम ङ्ग्मीनं हु व महने॰ मभुभी भूडेहापननि॰ हनापु॰ कल्लम॰
मामसकल्लमप॰ मडवमभ्रप मा३भ्रप॰ मवाभ ॥